

प्रेस विज्ञप्ति

अक्टूबर 15, 2018



ईरानी प्रतिनिधियों के साथ जेएनपीटी के वरिष्ठ अधिकारी

ईरान के उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने जेएनपीटी का दौरा किया

- भारतीय पोर्ट्स का उपयोग ट्रांसशिपमेंट हब के रूप में करने कि सोच

नवी मुंबई, 15 अक्टूबर, 2018: भारत और ईरान के बीच द्विपक्षीय व्यापार लगातार बढ़ रहा है और पिछले वर्ष के दौरान इसने 16 बिलियन अमेरिकी डॉलर के आंकड़े को छू लिया है। दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों का एक उत्कृष्ट रिकॉर्ड है और इन व्यापारिक संबंधों को और मजबूत बनाने के प्रयास जारी हैं।

इसी पृष्ठभूमि में, श्री मोहम्मद रस्ताद, उप मंत्री एवं प्रबंध-निदेशक, पोर्ट्स एण्ड मेरीटाइम ऑर्गेनाइजेशन (पीएमओ), इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान, के नेतृत्व में एक 15 सदस्यीय उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने पोर्ट की संचालन गतिविधियों को समझने के लिए जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट का दौरा किया। श्री अरूण कुमार गुप्ता, एमडी, इंडिया

पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड और श्री अरविंद चौधरी, डायरेक्टर (पोर्ट्स) पोत परिवहन मंत्रालय, भी इस दौरे में उनके साथ थे।

जेएनपीटी के वरिष्ठ अधिकारियों ने उच्च-स्तरीय ईरानी प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया। श्री एस वी मदभावी, मुख्य प्रबंधक, पीपी एंड डी ने पोर्ट पर व्यापार को आसान बनाने के तहत की जा रही विभिन्न पहलों और लागू किये जाने वाले विभिन्न उपायों का एक संक्षिप्त ब्यौरा प्रस्तुत किया। यह पोर्ट जो वर्तमान में 4.8 मिलियन टीईयू का प्रबंधन करता है, चौथे टर्मिनल के दूसरे चरण का कार्य पूरा होने के पश्चात इसकी क्षमता दुगुनी हो जाएगी। प्रतिनिधिमंडल ने कार्गो प्रबंधन क्षमता को बढ़ाने के लिए लिक्विड कार्गो टर्मिनल, शैलो वॉटर बर्थ के विस्तार की जेएनपीटी की योजनाओं का मूल्यांकन किया। प्रस्तुतिकरण में जेएनपीटी द्वारा लिये गये विभिन्न इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स जैसे सेज, ड्राय पोर्ट्स, वाधवन सैटेलाइट पोर्ट और व्यापार हेतु अनुकूल वातावरण विकसित करने के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग करने पर भी प्रकाश डाला गया। ईरान अपने व्यापार में विस्तार के लिए भारतीय पोर्ट्स का उपयोग ट्रांसशिपमेंट हब के रूप में करने का प्रयास कर रहा है।

पोर्ट संचालन का प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिनिधियों को पोर्ट का व्यापक दौरा कराया गया। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने व्यापार-अनुकूल पहलों को लागू करने और विभिन्न देशों के साथ व्यापार में वृद्धि करने के लिए जेएनपीटी द्वारा किये जा रहे प्रयासों की सराहना की।



Jawaharlal Nehru Port Trust, Admin Building, Sheva, Uran, Navi Mumbai – 400 707



www.jnport.gov.inwww.twitter.com/@JNPortwww.facebook.com/JNPORT



Press Release

October 15, 2018



Iran delegates along with senior officials of JNPT

High level Iranian delegation visited JNPT

- **To use Indian ports as transshipment hubs**

Navi Mumbai, October 15, 2018: The bilateral trade between India and Iran has been consistently growing and touched around US\$ 16 billion during the last year. Both countries have an excellent record of trade and efforts are on to further strengthen the trade relations.

In this background, a high-level delegation under the leadership of Mr. Mohammad Rastad, Deputy Minister and Managing Director for Ports and Maritime organisation (PMO) of Islamic Republic of Iran along with 15 members of high-ranking delegates visited Jawaharlal Nehru Port Trust to understand the port operations. Mr Arun Kumar Gupta, MD, India Ports Global Ltd and Mr Arvind Choudhary, Director (Ports) Ministry of shipping also were part of the port visit.

The high-level Iranian delegation was welcomed by senior officials of JNPT. Shri S V Madabhavi, Chief Manager PP&D shared an overview of various initiatives under the Ease of Doing Business and other

measures being implemented at the port. The port which currently handles 4.8 million TEUs will double its capacity after the completion of phase-2 of fourth terminal. The delegation was also appraised about JNPT's plans of expansion of liquid cargo terminal, shallow water berth to increase the cargo handling capacity. The presentation also highlighted various infrastructure projects such as SEZ, Dry Ports, Vadhvan satellite port being taken up by JNPT and harnessing modern technology to create positive environment for the trade. Iran is trying to use Indian ports as transshipment hubs for expanding its trade.

The delegates were taken around for detailed port tour to get first-hand experience of port operation. The delegation members expressed their appreciation for JNPT's efforts to implement trade-friendly steps and increase the volume of trade among different countries.



Jawaharlal Nehru Port Trust, Admin Building, Sheva, Uran, Navi Mumbai – 400 707



www.jnport.gov.inwww.twitter.com/@JNPortwww.facebook.com/JNPORT

प्रसिद्धी पत्रक

१५ ऑक्टोबर २०१८



जेएनपीटीच्या वरिष्ठ अधिकाऱ्यांसोबत इराणचे उच्चस्तरीय शिष्टमंडळ

उच्च स्तरीय इराण शिष्टमंडळाची जेएनपीटी ला भेट

- भारतीय बंदराचा होणार ट्रान्सशिपमेंट हब म्हणून वापर

नवी मुंबई, १५ ऑक्टोबर २०१८ ; भारत आणि इराण या उभय देशातील व्यापारात सतत वाढ होत असून ही वाढ १६ बिलियन डॉलर पर्यंत पोहोचल्याची नोंद मागील वर्षी झाली आहे. दोन्ही देशांच्या व्यापारात उल्लेखनीय प्रगती झाली असून व्यापारी संबंध अधिक मजबूत व्हावेत यासाठी प्रयत्न चालू आहेत.

या पार्श्वभूमीवर, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ इराण (पीएमओ) च्या पोर्ट आणि मेरीटाईम ऑर्गनायझेशन चे उप मंत्री आणि व्यवस्थापकीय संचालक श्री मोहमद रस्ताद यांच्या नेतृत्वाखाली १५ जणांच्या उच्च स्तरीय शिष्टमंडळाने पोर्ट चे कामकाज समजून घेण्यासाठी जेएनपीटीला भेट दिली. या भेटी दरम्यान इंडिया पोर्ट ग्लोबल लिमिटेडचे व्यवस्थापकीय संचालक श्री अरुण कुमार गुप्ता आणि नौकानयन मंत्रालयाच्या पोर्ट विभागाचे संचालक श्री अरविंद चौधरी सुद्धा उपस्थित होते.

इराणच्या उच्च स्तरीय शिष्टमंडळाचे जेएनपीटीच्या वरिष्ठ अधिकाऱ्यांनी स्वागत केले. तसेच जेएनपीटीच्या पीपी आणि डी विभागाचे मुख्य व्यवस्थापक श्री एस व्ही मदभावी यांनी इज ऑफ डुईंग बिजनेस अंतर्गत विविध उपक्रमांची त्याचबरोबर पोर्ट मध्ये इतर अनेक अवलंबीत असलेल्या योजनांची सविस्तर माहिती शिष्टमंडळाला दिली. पोर्ट सध्या ४.८ मिलियन टीईयू ची हाताळणी करीत असून चौथ्या टर्मिनलच्या दुसऱ्या टप्प्याचे काम पूर्ण होताच पोर्टची क्षमता दुप्पट होणार आहे. कार्गो हाताळणीत वाढ करण्याच्या दृष्टीने जेएनपीटी लिक्विड कार्गो टर्मिनल व शॅलो वॉटर बर्थ चा विकास करण्याचे नियोजन करीत आहे ज्याचे शिष्टमंडळाने मुल्यांकन केले. त्याचबरोबर सेझ, ड्राय पोर्ट आणि वाधवान सॅटेलाईट पोर्ट सारख्या विविध मूलभूत विकासकामांची माहिती देऊन आधुनिक तंत्रज्ञानाच्या वापराने व्यापारासाठी सकारात्मक वातावरण निर्मिती करण्यात येत असल्यावर प्रकाश टाकण्यात आला. व्यापारात वाढ करण्याच्या दृष्टीने भारतीय बंदराचा उपयोग ट्रान्सशिपमेंट हब म्हणून व्हावा यासाठी इराण प्रयत्न करीत आहे.

बंदराचे कामकाजाचा जवळून अनुभव घेता यावा यासाठी शिष्टमंडळाला बंदराची सफर घडवण्यात आली. तसेच व्यापारास अनुकूल पावले उचलण्या संदर्भात आणि विविध देशातील व्यापारात वाढ व्हावी यासाठी जेएनपीटी करीत असलेल्या प्रयत्नांसाठी शिष्टमंडळाने आनंद व्यक्त केले.



Jawaharlal Nehru Port Trust, Admin Building, Sheva, Uran, Navi Mumbai – 400 707



www.jnport.gov.inwww.twitter.com/@JNPortwww.facebook.com/JNPORT